राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम

प्रस्तावना–

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम 0 से 18 वर्ष के बच्चों में 4D अर्थात जन्मजात विकृति, कमियां, बीमारियां एवं विकासात्मक विलंब व विकलांगता की स्क्रीनिंग, शीघ्र पहचान एवं प्रबंधन कर देखभाल सहयोग एवं उपचार संबंधित कठिनाईयों को दूर कर बच्चों के उत्तरजीविता में सुधार करने हेतु प्रतिबद्ध है। इस संबंध में पहले पहल के रूप में मध्यप्रदेश में प्रशिक्षित व समर्पित चलित स्वास्थ्य दल (MHT) की पदस्थापना की गई है, ताकि राज्य में आर.बी.एस.के. के अंतर्गत जन्म से 18 वर्ष के बच्चों को चिंहांकित स्वास्थ्य स्थितियों हेतु सुविधा उपलब्ध कराई जा सकें। कार्यक्रम के तीव्र क्रियान्वयन हेतु अगला जीवंत कदम आरंभिक पहचान, रिफरल सहयोग, प्रबंधन एवं स्क्रीनिंग हुए बच्चों का फालो–अप करना है। इस हेतु राज्य में जिला अस्पताल स्तर पर जिला शीघ्र हस्तक्षेप केन्द्रों (DEIC) की स्थापना की गई है। डी.ई.आई.सी. इन सभी क्रियाकलापों हेतु केन्द्र है जो रिफरल लिंकेज व अन्य हेतु समाशोधन गृह है।

कार्यक्रम प्रगति का संक्षिप्त विवरणः–

प्रथम चरण में मध्य प्रदेश में 8 DEIC (समर्पण केन्द्र) की स्थापना भोपाल, इंदौर, उज्जैन, सागर, रीवा, ग्वालियर, जबलपुर, एवं होशंगाबाद में वर्ष 2014–15 की कार्ययोजना में की गई। 4 अन्य केन्द्रों जिला मंदसौर, गुना, शहडोल, एवं छिंदवाड़ा में स्थापित करना योजना में जोड़ा गया। वर्ष 2015–16 के कार्ययोजना में 13 अन्य जिलों उमरिया, बैतूल, सिहोर, बालाघाट, सिंगरौली, धार, हरदा, खण्डवा, खरगौन, मण्डला, छतरपुर, शिवपुर एवं दमोह में DEIC की स्थापना की गई। इस प्रकार वर्तमान में राज्य में कुल 25 DEIC लगातार 51 जिलों में अपनी सेवा सुविधाएं प्रदान कर रहे है।

आर.बी.एस.के. मध्यप्रदेश द्वारा एक नई पहल के रूप में राज्य समर्पण संसाधन केन्द्र की स्थापना वर्ष 2015–16 में प्रस्तावित है। यह राज्य समर्पण संसाधन केन्द्र राज्य व पूरे देश में अपनी तरह का एक अलग केन्द्र होगा जो विभिन्न विभागों की सहयोग मॉडल पर आधारित होगा। यह राज्य समर्पण संसाधन केन्द्र राज्य में 0 से 18 वर्ष के बच्चों के स्वास्थ्य स्थितियों की पहचान, स्क्रीनिंग, मूल्यांकन, उपचार, प्रबंधन व पुनर्वास सेवा हेतु बहु अनुशासनात्मक/बहु विधा प्रयास होगा। यह केन्द्र 4 शासकीय विभागों क्रमशः लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा तथा सामाजिक न्याय विभागों के सहयोगात्मक प्रयासों पर आधारित होगा। राज्य समर्पण संसाधन केन्द्र एक ऐसा स्वशासी केन्द्र

होगा जहॉ 0 से 18 वर्ष तक के बच्चों के उपचार संबंधित सभी सुविधाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध रहेगी। यह केन्द्र भविष्य में जिला व विकासखण्ड स्तर पर बच्चों के स्वास्थ्य संबंधित असमर्थता के निराकरण विभिन्न विभागों के सहयोग से विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। समस्त क्रिया–कलाप जैसे भवन निर्माण, मानव संसाधन, उपकरण, शीघ्र पहचान एवं उपचार चिंहांकित विकलांग बच्चों को प्री–नर्सरी शिक्षा, प्राथमिक शिक्षा एवं पुनर्वास केन्द्र सभी एक ही सर्विस पैकेज के अंतर्गत होगा।

राज्य समर्पण संसाधन केन्द्र के निम्न कार्य होंगेः–

1. 0 से 18 वर्ष के चिंहांकित बच्चों का शीघ्र पहचान व हस्तक्षेप, उपचार, प्रबंधन व पुनर्वास हेतु सेवाएं प्रदान करना ।
2. राज्य के DEIC के मानव संसाधन की क्षमता निर्माण करना।
3. विकलांग बच्चों को प्री–नर्सरी शिक्षा प्रदान करना ।
4. पुनर्वास सेवा केन्द्र।
5. स्टेट ऑफ आर्टः– बच्चों की पहचान, स्क्रीनिंग व प्राथमिक/व्यावसायिक शिक्षा हेतु आंगनवाड़ी केन्द्रो को मॉडल के रूप में विकसित करना।
6. राज्य व अन्य पड़ोसी राज्यों के DEIC स्टॉफ हेतु प्रशिक्षण केन्द्र।

आर.बी.एस.के. के अंतर्गत प्रदेश के सभी शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में शिशु रोग शल्यक्रिया इकाई की स्थापना व उन्नयन का कार्य आरंभ किया जा चुका है। जहॉ रिफर किए बच्चों को उच्च स्तरीय सर्जरी उपचार विशेषज्ञों के माध्यम से कास्टिंग पैकेज अनुरूप प्राप्त हो पाएगा। इस इकाई के निर्माण व उन्नयन पश्चात मेडिकल कॉलेजों में उपयुक्त उपकरण, मानव संसाधन उपलब्ध हो पायेंगे जिससे चिंहांकित बच्चों को उच्च स्तरीय उपचार सेवाएं उपलब्ध हो जाएंगी।

नई योजनाः–

कार्यक्रम के अंतर्गत DEIC में जिला स्तर पर प्रमुख सुविधा के रूप में जन्मजात दिल की बीमारी वाले बच्चों को ECHO डायग्नोसिस सुविधा प्रदान करना है।

राज्य में स्क्रीनिंग हुए 0–18 वर्ष के बच्चों में से 0.1% बच्चों को हृदय रोगोपचार हेतु सर्जरी की आवश्यकता है अर्थात लगभग 300 बच्चों को प्रतिवर्ष हृदय रोग के उपचार हेतु सर्जरी की आवश्यकता होगी। वर्तमान में मध्य प्रदेश के जिला चिकित्सालयों में इको डायग्नोसिस की सुविधा उपलब्ध न होने से मरीजो को निजी संस्थानों से अपना पैसा खर्च कर इको डायग्नोसिस करवाना पड़ रहा है। अतः आर.बी.एस.के. के अंतर्गत DEIC स्तर से

इको डायग्नोसिस की सुविधा प्रदान की जाएगी जिसका लाभ ग्रामीण गरीब परिवारों को मिल सकेगा एवं मरीज बच्चों को उपयुक्त उपचार प्राप्त हो सकेगा।

उक्त हेतु अनुबंधित निजी इको डायग्नोसिस केन्द्रों को प्रति मरीज रूपये 2000 की दर पर भुगतान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा किया जावेगा। चिंहांकित बच्चों के डायग्नोसिस हेतु DEIC प्रबंधक द्वारा आऊट सोर्सिंग के माध्यम से निजी संस्थानों से सुविधा प्राप्त करना सुनिश्चित करेंगे।

राज्य में आर.बी.एस.के. के अंतर्गत अन्य प्रमुख विशेषताऐं कार्य योजना 2015–16 इस प्रकार हैः–

1. जिला व विकासखण्ड स्तर पर MHT का मासिक/त्रैमासिक समीक्षा बैठक। इसके अंतर्गत स्क्रीनिंग उपचारित व उपचार हेतु प्रतिक्षारत बच्चों की स्थिति के साथ–साथ अन्य तकनीकी मुद्दों पर चर्चा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी व विकास–खण्ड चिकित्सा अधिकारी द्वारा किया जाता है।

2. राज्य स्तरीय त्रैमासिक समीक्षा बैठक जिसमें आर.बी.एस.के. जिला समन्वयकों व DEIC प्रबंधकों से कार्यक्रम की जिला स्तर पर प्रगति के विषय में चर्चा की जाती है व संबंधित आवश्यक दिशा निर्देश दिए जाते है।

3. जी.पी.एस. के माध्यम से सूक्ष्म कार्ययोजना अनुसार संचालित आर.बी.एस.के. MHT वाहनो की स्थिति की मॉनिटरिंग।

4. आर.बी.एस.के. सॉफ्टवेयर हेतु कार्य प्रगति पर है। जिसके माध्यम से राज्य/जिला/विकासखण्ड/दल स्तर पर आर.बी.एस.के. संबंधित प्रगति जैसे स्क्रीनिंग, उपचारित बच्चे की व्यक्तिगत जानकारियॉ कार्ययोजना अनुसार भ्रमण व कार्यक्रम की प्रगति रिपोर्ट से किसी भी समय अवगत हुआ जा सकता है।

5. राज्य में कुल 194 शहरी MHT मध्यप्रदेश के शहरी क्षेत्रों में 0 से 18 वर्ष के बच्चों को अपनी सेवायें प्रदान करेंगी।

6. राज्य में 13 नये DEIC केन्द्रों को वर्ष 2015–16 में क्रियाशील बनाया जायेगा।

7. DEIC केन्द्रों पर मानव संसाधन की कमियों को दूर किया जायेगा।

8. राज्य के शासकीय मेडिकल कॉलेजों में शिशु रोग शल्यक्रिया इकाई हेतु मानव संसाधन के रूप में प्रत्येक इकाई में एक शिशुरोग शल्यचिकित्सा विशेषज्ञ, 6

स्टॉफ नर्स, 2 ऑपरेशन थिएटर टेक्नीशियन एवं 2 आई.सी.यू. टेक्नीशियन की पद स्थापना प्रगति पर है।

उपलब्धियॉ :–

अप्रैल 2015 से सितम्बर 2015 तक राज्य में आर.बी.एस.के. के अंतर्गत 0 से 18 वर्ष के बच्चों के उपचार संबंधित गतिविधियॉ इस प्रकार है :–

- कुल लक्षित बच्चों की संख्या – 7854000
- कुल परीक्षण किए गए बच्चों की संख्या – 7284644
- परीक्षण में धनात्मक पाए गए बच्चों की संख्या – 807712
- कुल उपचारित बच्चों की संख्या – 363417
- कुल शल्यक्रिया किए गए बच्चों की संख्या – 4725

संपर्कः– Email ID ddrbskmpnrhm@gmail.com

	नाम	पदनाम	मोबाइल नं.
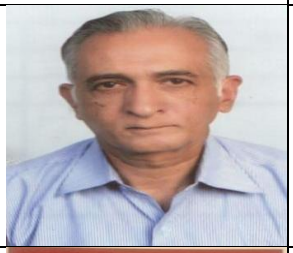	**डॉ. विनय कुमार दुबे**	उपसंचालक आर.बी.एस.के.	9425041104
	सुश्री नेहा यादव	राज्य सलाहकार आर.बी.एस.के.	8818884041
	डॉ. वीरेन्द्र कुमार गंजीर	सहायक कार्यक्रम प्रबंधक आर.बी.एस.के.	7803020177